Civil Services (Main)
Examination- 2025

वियोज्य *DETACHABLE*

सामान्य अध्ययन (प्रश्न-पत्र IV)
GENERAL STUDIES (Paper IV)

निर्धारित समय : तीन घण्टे
Time Allowed : Three Hours

अधिकतम अंक : 250
Maximum Marks : 250

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें :

इसमें **बारह** प्रश्न हैं जो **दो खण्डों** में विभाजित हैं तथा **हिन्दी** और **अंग्रेजी** दोनों में छपे हुए हैं ।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं ।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए । प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे ।

प्रश्नों में इंगित शब्द सीमा को ध्यान में रखिए ।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए ।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions :

There are **TWELVE** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.

All questions are compulsory.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Keep the word limit indicated in the questions in mind.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

खण्ड 'A' SECTION 'A'

1.(a) मौजूदा डिजिटल युग में सोशल मीडिया ने संचार और बातचीत के तरीके में क्रांति ला दी है। हालाँकि इसने कई नैतिक मुद्दे और चुनौतियाँ खड़ी कर दी है। इस संबंध में मूल नैतिक दुविधाओं का वर्णन कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

In the present digital age, social media has revolutionised our way of communication and interaction. However, it has raised several ethical issues and challenges. Describe the key ethical dilemmas in this regard. (Answer in 150 words) 10

1.(b) "संवैधानिक नैतिकता कोई स्वाभाविक मनोभाव नहीं है, बल्कि नागरिक शिक्षा और कानून के शासन के पालन का परिणाम है।" सिविल सेवक के लिए संवैधानिक नैतिकता का परीक्षण करते हुए लोक प्रशासन में सुशासन को बढ़ावा देने और जवाबदेही सुनिश्चित करने में इसकी भूमिका पर प्रकाश डालिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

"Constitutional morality is not a natural sentiment but a product of civil education and adherance of the rule of law." Examine the significance of constitutional morality for public servant highlighting the role in promoting good governance and ensuring accountability in public administration. (Answer in 150 words) 10

2.(a) कार्ल वॉन क्लॉजविट्ज ने एक बार कहा था, "युद्ध दूसरे माध्यमों से की जाने वाली एक कूटनीति है।" समकालीन भू-राजनीतिक संघर्ष के वर्तमान संदर्भ में उपर्युक्त कथन का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Carl von Clausewitz once said, "War is a diplomacy by other means." Critically analyse the above statement in the present context of contemporary geo-political conflict. (Answer in 150 words) 10

2.(b) राष्ट्रिय सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए देश में पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील सीमावर्ती क्षेत्रों में विकास परियोजनाओं की पर्यावरणीय मंजूरी पर विवादों से संबंधित नैतिक दुविधाओं का परीक्षण कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Keeping the national security in mind, examine the ethical dilemmas related to controversies over environmental clearance of development projects in ecologically sensitive border areas in the country. (Answer in 150 words) 10

3. महान विचारकों के तीन उद्धरण नीचे दिए गए हैं। वर्तमान संदर्भ में, प्रत्येक उद्धरण आपको क्या संप्रेषित करता है ?

Given below are three quotations of great thinkers. What do each of these quotations convey to you in the present context ?

3.(a) "जो लोग मुसीबत में भी शांत रहते हैं, मुसीबत ही स्वयं परेशान होगी।" – तिरुवल्लुवर (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

"Those who in trouble untroubled are, Will trouble trouble itself." – Thiruvalluvar (Answer in 150 words) 10

3.(b) "मेरी पीढ़ी की सबसे बड़ी खोज यह है कि मनुष्य अपना दृष्टिकोण बदलकर अपना जीवन बदल सकता है।" – विलियम जोन्स (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

"The greatest discovery of my generation is that a human being can alter his life by altering his attitudes." – William James (Answer in 150 words) 10

3.(c) "किसी समाज की शक्ति उसके कानूनों में नहीं, बल्कि उसके लोगों की नैतिकता में होती है।" – स्वामी विवेकानंद (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

"The strength of a society is not in its laws, but in the morality of its people." – Swami Vivekananda (Answer in 150 words) 10

4.(a) किसी भी प्रकार की सामाजिक पुनर्रचना के लिए कल्याणकारी योजनाओं को सफलतापूर्वक क्रियान्वित करने हेतु एक सिविल सेवक को नैतिक ढाँचे में तर्क और आलोचनात्मक सोच का उपयोग करना चाहिए। उपयुक्त उदाहरणों के साथ इस कथन की पुष्टि कीजिए।

(उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

"For any kind of social re-engineering by successfully implementing welfare schemes, a civil servant must use reason and critical thinking in an ethical framework." Justify this statement with suitable examples. (Answer in 150 words) 10

4.(b) महावीर की प्रमुख शिक्षाएँ क्या हैं ? समकालीन विश्व में उनकी प्रासंगिकता स्पष्ट कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

What are the major teachings of Mahavir ? Explain their relevance in the contemporary world. (Answer in 150 words) 10

5. (a) "जो व्यक्ति अपने कर्त्तव्य के प्रति समर्पित होता है, वह जीवन में सर्वोच्च पूर्णता को प्राप्त करता है।" एक सिविल सेवक के रूप में जिम्मेदारी की भावना और व्यक्तिगत संतुष्टि के संदर्भ में इस कथन का विश्लेषण कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

"One who is devoted to one's duty attains highest perfection in life." Analyse this statement with reference to sense of responsibility and personal fulfilment as a civil servant. (Answer in 150 words) 10

5. (b) समग्र विकास लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, एक सिविल सेवक विकास के नियामक के बजाए एक सक्षमकर्ता और सुविधाप्रदाता के रूप में कार्य करता है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आप क्या विशिष्ट उपाय सुझायेंगे ? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

To achieve holistic development goal, a civil servant acts as an enabler and active facilitator of growth rather than a regulator. What specific measures will you suggest to achieve this goal ? (Answer in 150 words) 10

6. (a) ऐसा कहा जाता है कि नैतिक कार्य संस्कृति के लिए प्रत्येक संगठन में आचार संहिता होनी चाहिए। मूल्य-आधारित और अनुपालन-आधारित कार्य संस्कृति सुनिश्चित करने के लिए, आप अपने कार्यस्थल में कौन से उपयुक्त उपाय अपनायेंगे ? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

It is said that for an ethical work culture, there must be code of ethics in place in every organisation. To ensure value-based and compliance-based work culture, what suitable measures would you adopt in your work place ?

(Answer in 150 words) 10

6. (b) भारत विश्व की उभरती हुई आर्थिक शक्ति है क्योंकि आइ.एम.एफ. के अनुमानानुसार हाल ही में इसने विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का दर्जा हासिल किया है। तथापि यह देखा गया है कि कुछ क्षेत्रों में आबंटित धनराशि का या तो कम उपयोग किया जाता है अथवा उसका गलत उपयोग होता है। इस संबंध में जवाबदेही सुनिश्चित करने, लीकेज रोकने तथा निकट भविष्य में विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का दर्जा प्राप्त करने के लिए आप क्या विशिष्ट उपाय सुझायेंगे ?

(उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

India is an emerging economic power of the world as it has recently secured the status of fourth largest economy of the world as per IMF projection. However, it has been observed that in some sectors, allocated funds remain either under-utilised or misutilised. What specific measures would you recommend for ensuring accountability in this regard to stop leakages and gaining the status of third largest economy of the world in near future ? (Answer in 150 words) 10

खण्ड 'B' SECTION 'B'

7. विजय पिछले दो वर्षों से देश के पहाड़ी उत्तरी राज्य के सुदूर जिले के डिप्टी कमिशनर थे । अगस्त महीने में पूरे राज्य में भारी बारिश हुई और इसके बाद उक्त जिले के ऊपरी इलाकों में बादल फट गए । पूरे राज्य में विशेष कर प्रभावित जिले में बहुत भारी क्षति हुई । पूरा सडक नेटवर्क और दूरसंचार बाधित हो गया । इमारतें बड़े पैमाने पर क्षतिग्रस्त हो गईं । लोगों के घर नष्ट हो गए और वे खुले में रहने को मजबूर हुए । 200 से अधिक लोग मारे गये और लगभग 5000 लोग बुरी तरह घायल हो गये । विजय के नेतृत्व में नागरिक प्रशासन सक्रिय हो गया और बचाव तथा राहत अभियान शुरू हो गया । बेघर और घायल लोगों को आश्रय एवं चिकित्सा सुविधाएँ प्रदान करने के लिए अस्थायी आश्रय शिविर तथा अस्पताल स्थापित किए गए । दूरदराज के इलाकों से बीमार और बूढ़े लोगों को निकालने के लिए हेलीकॉप्टर सेवाएँ शुरू की गईं । विजय को अपने गृहनगर केरल से संदेश मिला कि उनकी माँ गंभीर रूप से बीमार हैं । दो दिन बाद विजय को दुर्भाग्यपूर्ण संदेश मिला कि उनकी माँ की मृत्यु हो गई है । विजय का एक बड़ी बहन के अलावा कोई करीबी रिश्तेदार न था । उनकी बड़ी बहन अमेरिकी नागरिक थीं और पिछले कई बर्षों से वहीं रह रही थीं । इस बीच पाँच दिनों के अंतराल के बाद फिर से शुरू हुई भारी बारिश के कारण प्रभावित जिले में स्थिति और खराब हो गई । वहीं, उनके मोबाइल पर अपने गृहनगर से माँ का अंतिम संस्कार करने के लिए जल्द से जल्द पहुँचने के लगातार संदेश आ रहे थे ।

(a) विजय के पास कौन से विकल्प उपलब्ध हैं ?

(b) विजय को किन नैतिक दुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है ?

(c) विजय द्वारा पहचाने गए प्रत्येक विकल्प का आलोचनात्मक मूल्यांकन और परीक्षण कीजिए ।

(d) आपके अनुसार विजय के लिए कौन सा विकल्प अपनाना सबसे उपयुक्त होगा और क्यों ?

(उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

Vijay was Deputy Commissioner of remote district of Hilly Northern State of the country for the last two years. In the month of August heavy rains lashed the complete state followed by cloud burst in the upper reaches of the said district. The damage was very heavy in the complete state especially in the affected district. The complete road network and telecommunication were disrupted and the buildings were damaged extensively. People's houses have been destroyed and they were forced to stay in open. More than 200 people have been killed and about 5000 were badly injured. The Civil Administration under Vijay got activated and started conducting rescue and relief operations. Temporary shelter camps and hospitals were established to provide shelter and medical facilities to the homeless and injured people. Helicopter services were pressed in, for evacuating sick and old people from remote areas. Vijay got a message from his hometown in Kerala that his mother was seriously sick. After two days Vijay received the unfortunate message that his mother

has expired. Vijay has no close relative except one elder sister who was US citizen and staying there for last several years. In the meantime, the situation in the affected district deteriorated further due to resumption of heavy rains after a gap of five days. At the same time, continuous messages were coming on his mobile from his hometown to reach at the earliest for performing last rites of his mother.

(a) What are the options available with Vijay ?

(b) What are the ethical dilemma being faced by Vijay ?

(c) Critically evaluate and examine each of these options identified by Vijay.

(d) Which of the options, do you think, would be most appropriate for Vijay to adopt and why ?

(Answer in 250 words) 20

8. भारतीय संविधान में निहित राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों के अनुरूप *रोटी, कपड़ा और मकान* की बुनियादी जरूरतों को सुनिश्चित करना सरकार का संवैधानिक दायित्व है । इस आदेश का पालन करते हुए, जिला प्रशासन ने समाज के बेघर और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए आवास विकसित करने हेतु वनभूमि के एक हिस्से की सफाई का प्रस्ताव रखा ।

हालाँकि, प्रस्तावित भूमि पारिस्थितिक रूप से एक संवेदनशील क्षेत्र है जो सदियों पुराने पेड़ों, औषधीय पौधों और महत्वपूर्ण जैववैविध्य से परिपूर्ण है । इसके अलावा, ये वन सूक्ष्म जलवायु और वर्षा को विनियमित करने, वन्यजीवों के लिए आश्रय प्रदान करने, मृत्तिका की उर्वरता बढ़ाने, भूमि/मृदा अपरदन रोकने एवं आदिवासी तथा खानाबदोश समुदायों की आजीविका को बनाए रखने में मदद करते हैं ।

पारिस्थितिक और सामाजिक लागतों के बावजूद, प्रशासन उक्त प्रस्ताव के पक्ष में तर्क देता है कि यह पहल मौलिक मानवाधिकारों को एक महत्वपूर्ण कल्याणपरक प्राथमिकता के रूप में संबोधित करती है । इसके अलावा, इस समावेशी आवास विकास के माध्यम से गरीबों के उत्थान और सशक्तिकरण से सरकार का कर्तव्य पूरा होगा । पुनः जंगली जानवरों के खतरे और बार-बार होनेवाले मानव-वन्यजीव संघर्ष के कारण ये वनक्षेत्र असुरक्षित हो गए हैं । अंत में, वनक्षेत्रों को साफ करने से इन इलाकों को कथित तौर पर छिपने के स्थानों के रूप में उपयोग करने वाले असामाजिक तत्वों पर अंकुश लगाने में मदद मिल सकती है, जिससे कानून और व्यवस्था में सुधार होगा ।

(a) क्या बेघरों के लिए सामाजिक कल्याणपरक उद्देश्यों की पूर्ति हेतु वनों की कटाई को नैतिक रूप से उचित ठहराया जा सकता है ?

(b) मानव विकास के साथ पर्यावरण संरक्षण को संतुलित करने में समाजार्थिक, प्रशासनिक और नैतिक चुनौतियाँ क्या हैं ?

(c) पर्यावरणीय अखंडता और मानवीय गरिमा – दोनों की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए कौन से ठोस विकल्प या नीतिगत हस्तक्षेप प्रस्तावित किए जा सकते हैं ?

(उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

In line with the Directive Principles of State Policy enshrined in the Indian Constitution, the government has a constitutional obligation to ensure basic needs – "*Roti, Kapda aur Makan* (Food, Clothes and Shelter)" – for the under-privileged. Pursuing this mandate, the district administration proposed clearing a portion of forest land to develop housing for the homeless and economically weaker sections of the society.

The proposed land, however, is an ecologically sensitive zone densely populated with age-old trees, medicinal plants and vital biodiversity. Besides, these forests help to regulate micro-climate and rainfalls; provide habitat for wildlife, support soil fertility and prevent land/soil erosion and sustain livelihoods of tribal and nomadic communities.

Inspite of the ecological and social costs, the administration argues in favour of the said proposal by highlighting that this very initiative addresses fundamental human rights as a critical welfare priority. Besides, it fulfils the government's duty to uplift and empower the poor through inclusive housing development. Further, these forest areas have become unsafe due to wild-animal threats and recurring human-wild life conflicts. Lastly, clearing forest-zones may help to curb anti-social elements allegedly using these areas as hideouts, thereby enhancing law and order.

(a) Can deforestation be ethically justified in the pursuit of social welfare objectives like, housing for the homeless ?

(b) What are the socio-economic, administrative and ethical challenges in balancing environmental conservation with human development ?

(c) What substantial alternatives or policy interventions can be proposed to ensure that both environmental integrity and human dignity are protected ?

(Answer in 250 words) 20

9. सुभाष राज्य सरकार में लोकनिर्माण विभाग के सचिव हैं। वह एक वरिष्ठ अधिकारी हैं, जो अपनी योग्यता, निष्ठा और काम के प्रति समर्पण के लिए जाने जाते हैं। उन्हें लोकनिर्माण विभाग और कार्यक्रम कार्यान्वयन के प्रभारी मंत्री का भरोसा और विश्वास प्राप्त है। अपनी जॉब प्रोफाइल के अलावा वह राज्य में नीति निर्माण के लिए भी जिम्मेदार हैं। इसके अलावा, वह योजना, डिजाइनिंग और निर्माण आदि से संबंधित तकनीकी और प्रशासनिक पहलुओं की देखरेख करते हैं।

सुभाष के मंत्री राज्य के एक महत्वपूर्ण मंत्री हैं और उनके कार्यकाल के दौरान शहरी बुनियादी ढाँचे के विकास और सड़क नेटवर्क में महत्वपूर्ण वृद्धि दर्ज की गई है। वह निकट भविष्य में महत्वाकांक्षी सड़क निर्माण परियोजना शुरू करने के लिए उत्सुक हैं।

सुभाष मंत्री के साथ नियमित संपर्क में हैं और सड़क निर्माण परियोजना के विभिन्न तौर-तरीकों पर काम कर रहे हैं। मंत्री द्वारा परियोजना की औपचारिक सार्वजनिक घोषणा करने से पहले उनके द्वारा मंत्री के समक्ष नियमित बैठकें, चर्चाएँ और प्रस्तुतियाँ की जाती हैं। सुभाष का इकलौता बेटा विकास रियल एस्टेट बिजनेस में है। उनके बेटे को अपने सूत्रों से पता चलता है कि एक मेगा रोड परियोजना अंतिम चरण पर है और इस संबंध में किसी भी समय घोषणा होने की उम्मीद है। वह अपने पिता से आगामी प्रोजेक्ट का सटीक स्थान जानने के लिए बहुत उत्सुक हैं। उसे पता है कि आसपास की जमीन की कीमतों में भारी उछाल आएगा। इस स्तर पर सस्ती कीमतों पर जमीन खरीदने से उसे भरपूर लाभ मिलेगा। वह प्रस्तावित परियोजना का स्थान दिखाने के लिए दिन-रात अपने पिता से विनती कर रहा है। उसने उन्हें आश्वस्त किया कि वह इस मामले को सीधे संभालेगा क्योंकि इससे कोई प्रतिकूल असर नहीं पड़ेगा। यह इसलिए कि वह स्वाभाविक रूप से अपने व्यवसाय के हिस्से के रूप में जमीन खरीदता रहता है। अपने बेटे की लगातार मिन्नतों के कारण वह दबाव महसूस करते हैं।

इस मामले का एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू लोक निर्माण विभाग के मंत्री द्वारा उपर्युक्त परियोजना में अतिरिक्त/अनुचित रुचि से संबंधित है। उनके भतीजे की भी बड़ी आधारभूत संरचनावाली परियोजना कंपनी थी। दरअसल, मंत्री ने अपने भतीजे का भी उनसे परिचय कराया है और उन्हें आगामी प्रोजेक्ट में भतीजे के व्यावसायिक हितों का ध्यान रखने का संकेत भी दिया है। मंत्री ने उन्हें इस मामले में तेजी से काम करने के लिए प्रोत्साहित किया क्योंकि मेगा रोड़ परियोजना की शीघ्र घोषणा और कार्यान्वयन से अपनी पार्टी और सार्वजनिक जीवन में उनकी स्थिति मजबूत होगी।

उपर्युक्त पृष्ठभूमि में सुभाष भावी कार्रवाई को लेकर असमंजस में हैं।

(a) उक्त मामले में शामिल नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

(b) उपर्युक्त स्थिति में सुभाष के पास उपलब्ध विकल्पों का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

(c) उपर्युक्त में से कौन सा सर्वाधिक उपयुक्त होगा और क्यों ?

(उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

Subash is Secretary, PWD in the State Government. He is a senior officer, known for his competence, integrity and dedication to work. He enjoys the trust and confidence of Minister Incharge of PWD and Programme Implementation. As a part of his job profile, he is responsible for policy formulation, execution of projects relating to infrastructure initiatives in the State. Besides, he oversees the technical and administrative aspects relating to planning, designing and construction etc.

Subash's Minister is an important Minister in the state and significant growth in urban infrastructure development and road network has been registered during his tenure. He is very keen for launching of ambitious road construction project in the near future.

Subash is in regular touch with the Minister and is working various modalities of road construction project. Regular meetings, interactions and presentations are made by him to the Minister before a formal public announcement of the project is made by the Minister. Subash's only son Vikas is in real estate business. His son from his own sources is aware that a mega road project is on the anvil and announcement in this regard is expected anytime. He is very keen to know from his father the exact location of the upcoming project. He knows that there would be quantum jump in the prices of land in the vicinity. Buying land at this stage at cheaper prices would pay him rich dividends. He is pleading with him (his father) day in and day out to share him location of the proposed project. He assured him that he would handle the matter discretely as it would not attract any adverse notice as he in the normal course, keeps on buying land as a part of his business. He feels pressurised because of constant pleadings by his son.

Another significant aspect of the matter pertained to the extra/undue interest in the above project by the Minister PWD. His nephew was also having big infrastructure project company. In fact, the Minister has also introduced his nephew to him and indicated to him to take care of his nephew's business interest in the forthcoming project. The Minister encouraged him to act fast in the matter as early announcement and execution of mega road project would enhance his status in the party and public life.

In the above backdrop, Subash is in a fix as to the future course of action.

(a) Discuss the ethical issues involved in the case.

(b) Critically examine the options available to Subash in the above situation.

(c) Which of the above would be most appropriate and why ?

(Answer in 250 words) 20

10. राजेश अपनी नौ साल की सेवा के साथ ग्रुप ए अधिकारी हैं। वह एक सार्वजनिक क्षेत्र के तेल उपक्रम में प्रशासनिक अधिकारी के रूप में तैनात हैं। एक प्रशासनिक अधिकारी के रूप में, वह कार्यालय के सुचारु संचालन को सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न प्रशासनिक कार्यों के प्रबंधन और समन्वय हेतु जिम्मेदार हैं। वह कार्यालय की आपूर्ति, उपकरण आदि का प्रबंधन भी करते हैं।

राजेश अब काफी वरिष्ठ हो गए हैं और अगले एक या दो वर्षों में जेएजी (जूनियर एडमिनिस्ट्रेटिव ग्रेड) में उनकी पदोन्नति की उम्मीद है। वह जानते हैं कि पदोन्नति, डीपीसी (विभागीय पदोन्नति समिति) द्वारा अधिकारी की पिछले कुछ वर्षों (लगभग 5 वर्ष) की एसीआर/निष्पादन मूल्यांकन की जांच के आधार पर होती है तथा एसीआर में अपेक्षित ग्रेडिंग के अभाव वाले अधिकारी को पदोन्नति के लिए उपयुक्त नहीं पाया जा सकता है। पदोन्नति खोने के परिणामस्वरूप वित्तीय और प्रतिष्ठा संबंधी हानि हो सकती है तथा कैरियर की प्रगति में बाधा आ सकती है। यद्यपि वह अपने कर्तव्यों के निर्वहन में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करते हैं, फिर भी, वह अपने वरिष्ठ अधिकारी द्वारा किये जाने वाले मूल्यांकन के बारे में अनिश्चित हैं। अब वह अतिरिक्त प्रयास कर रहे हैं, ताकि वित्तीय वर्ष के अंत में उन्हें शानदार रिपोर्ट मिले।

प्रशासनिक अधिकारी के रूप में राजेश नियमित रूप से अपने तात्कालिक बॉस के साथ बातचीत करते रहते हैं, जो उनकी एसीआर लिखने वाले रिपोर्टिंग अधिकारी हैं। एक दिन उन्होंने राजेश को बुलाया और कहा कि एक विशेष विक्रेता से प्राथमिकता के आधार पर कंप्यूटर से संबंधित स्टेशनरी खरीदें। राजेश अपने कार्यालय को इन वस्तुओं की खरीद के लिए कारवाई शुरू करने का निर्देश देते हैं। उसी दिन संबंधित सहायक उसी विक्रेता के सभी स्टेशनरी सामग्री सम्मिलित करते हुए पैंतीस लाख रुपये का अनुमान पत्र लाता है। यह देखा गया कि उस संगठन में लागू जीएफआर (सामान्य वित्तीय नियमों) के अनुसार, कार्यालय मदों के लिए तीस लाख रुपये से अधिक के व्यय के लिए अगले उच्च प्राधिकारी (वर्तमान मामले में बॉस) की मंजूरी की आवश्यकता होती है। राजेश को पता है कि उनके वरिष्ठ अधिकारी यह उम्मीद करेंगे कि ये सारी खरीदारी उनके स्तर पर हो और वे उनकी ओर से इस तरह की पहल की कमी को पसंद नहीं करेंगे। कार्यालय के साथ विचार-विमर्श के दौरान उन्हें पता चला कि उच्च प्राधिकारी से मंजूरी प्राप्त करने से बचने के लिए व्यय को विभाजित करने की सामान्य प्रथा (जहाँ बड़े ऑर्डर को छोटे ऑर्डर की एक शृंखला में विभाजित किया जाता है) का प्रचलन है। यह प्रथा नियमों के विरुद्ध है और लेखापरीक्षा के प्रतिकूल संज्ञान में आ सकती है।

राजेश परेशान हैं। वह इस मामले में कोई निर्णय लेने में अनिश्चित हैं।

(a) उपरोक्त स्थिति में राजेश के लिए क्या विकल्प उपलब्ध हैं ?

(b) इस मामले में नैतिक मुद्दे क्या हैं ?

(c) राजेश के लिए कौन सा विकल्प सबसे उपयुक्त होगा और क्यों ?

(उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

Rajesh is a Group A officer with nine years of service. He is posted as Administrative Officer in an Oil Public Sector undertaking. As an Administrative Officer he is responsible for managing and coordinating various administrative tasks to ensure smooth functioning of office. He also manages office supplies, equipment etc.

Rajesh is now sufficient senior and is expecting his next promotion in JAG (Junior Administrative Grade) in the next one or two years. He knows that promotion is based on examination of ACRs/Performance Appraisal of last few years (5 years or so) of an officer by a DPC (Departmental Promotion Committee) and an officer lacking requisite grading of ACRs may not be found fit for promotion. Consequences of losing promotion may entail financial and reputational loss and set-back for career progression. Though he also puts his best efforts in official discharge of his duties, yet he is unsure of assessment by his superior officer. He is now putting extra efforts so that he gets thumping report at the end of financial year.

As Administrative Officer, Rajesh is regularly interacting with his immediate boss, who is his reporting officer for writing his ACR. One day he calls Rajesh and wants him to buy computer-related stationery on priority from a particular vendor. Rajesh instructs his office to initiate action for procuring these items. During the day, the dealing Assistant brings an estimate of Rupees Thirty Five Lakhs covering all stationery items from the same vendor. It is noticed that as per delegated financial powers, as provided in the GFR (General Financial Rules) as applicable in that Organisation, expenditure for office items exceeding Rupees Thirty Lakhs requires sanction of the next higher authority (boss in the present case). Rajesh knows that immediate superior would expect all these purchases should be done at his level and may not appreciate such lack of initiative on his part. During discussions with office, he learns that common practice of splitting of expenditure (where large order is divided into a series of smaller ones) is followed to avoid obtaining sanction from higher authority. This practice is against the rules and may come to the adverse notice of Audit.

Rajesh is perturbed. He is unsure of taking decision in the matter.

(a) What are the options available with Rajesh in the above situation ?

(b) What are the ethical issues involved in this case ?

(c) Which would be the most appropriate option for Rajesh and why ?

(Answer in 250 words) 20

11. महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी कार्यक्रम, एम जी एन आर ई जी ए को पहले राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार योजना, एन आर ई जी ए के रूप में जाना जाता था। यह एक भारतीय समाज कल्याण कार्यक्रम है जिसका उद्देश्य संविधान में दिए गए 'काम करने के अधिकार' के प्रावधानों को पूरा करना है। ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा ग्रामीण रोजगार क्षेत्र के अंतर्गत 2006 में मनरेगा शुरु किया गया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण परिवार के वयस्क सदस्यों को मजदूरी रोजगार की कानूनी गारंटी देना है जो प्रति परिवार अधिकतम प्रतिवर्ष 100 दिनों की सीमा के अधीन अकुशल शारीरिक श्रम कार्य के लिए तैयार हैं; प्रत्येक ग्रामीण परिवार को इस योजना के अंतर्गत पंजीकरण कराने का अधिकार है; जॉब कार्ड पंजीकृत को जारी किया जाता है; जॉब कार्ड धारक रोजगार की तलाश कर सकता है; राज्य सरकार परिवारों को प्रतिपूरक दैनिक बेरोजगारी भत्ते के रूप में पहले 30 दिनों के लिए न्यूनतम मजदूरी का 25% और वर्ष की शेष अवधि के लिए मजदूरी का भुगतान करेगी। विभिन्न ग्राम पंचायतों द्वारा मनरेगा कार्य कराया गया।

आपको एक जिले का प्रभारी प्रशासक नियुक्त किया गया है। आपको विभिन्न ग्राम पंचायतों द्वारा किए जा रहे मनरेगा कार्यों की निगरानी की जिम्मेदारी दी गई है। आपको सभी मनरेगा कार्यों की तकनीकी मंजूरी देने का अधिकार भी दिया गया है।

आपके अधिकार क्षेत्र में एक पंचायत में आपने देखा कि आपके पूर्ववर्ती ने कार्यक्रम का निम्न प्रकार से कुप्रबंधन किया है :

(i) वास्तविक नौकरी चाहने वालों को धन वितरित नहीं किया गया है।

(ii) मजदूरों की मस्टर रोल का ठीक से रखरखाव नहीं किया गया है।

(iii) किए गए कार्य और किए गए भुगतान के बीच बेमेल है।

(iv) फर्जी व्यक्तियों को भुगतान किया गया है।

(v) व्यक्ति की आवश्यकता को देखे बिना जॉब कार्ड दिए गए हैं।

(vi) निधियों का कुप्रबंधन तथा निधियों की कुछ हद तक हेराफेरी हुई है।

(vii) ऐसे स्वीकृत कार्य जो कभी अस्तित्व में ही नहीं थे।

(a) उपरोक्त स्थिति पर आपकी क्या प्रतिक्रिया है तथा आप इस क्षेत्र में मनरेगा कार्यक्रम के समुचित संचालन को कैसे बहाल करेंगे ?

(b) ऊपर सूचीबद्ध विभिन्न मुद्दों को हल करने के लिए आप क्या कार्रवाई शुरू करेंगे ?

(c) आप उपरोक्त स्थिति से कैसे निपटेंगे ?

(उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

Mahatma Gandhi National Rural Employment Guarantee Program, MGNREGA was earlier known as National Rural Employment Scheme, NREGA. It is an Indian Social Welfare Program that aimed at fulfilling the 'Right to Work' provisions made in the Constitution. MGNREGA was launched in 2006 under Rural Employment Sector by the Ministry of Rural Development.

Main objective of the program is to give legal guarantee of wage employment to the adult members of rural households who are willing to do unskilled manual labour work subject to a maximum of 100 days per year for every household. Every rural household has the right to register under the scheme, job card is issued to the registered, Job Card holder can seek employment; State Government shall pay 25% of minimum wage for the first 30 days as compensatory daily unemployment allowance to the families and of wage for remaining period of the year. MGNREGA work was undertaken by various Gram Panchayats.

You have been appointed as an Administrator Incharge of the District. You have been given the responsibility of monitoring MGNREGA work undertaken by various Gram Panchayats. You are also given the authority to give technical sanctions to all MGNREGA works.

In one of the Panchayats in your jurisdiction, you notice that your predecessor has mismanaged the Program in terms of :

(i) Money not disbursed to actual job-seekers.

(ii) Muster Rolls of the Labourers not properly maintained.

(iii) Mismatch between the work done and payments made.

(iv) Payments made to fictitious persons.

(v) Job Cards were given without looking into the need of person.

(vi) Mismanagement of funds and to the extent of siphoning of funds.

(vii) Approved works that never existed.

(a) What is your reaction to the above situation and how do you restore the proper functioning of MGNREGA Program in this regard ?

(b) What actions would you initiate to solve the various issues listed above ?

(c) How would you deal with the above situation ?

(Answer in 250 words) 20

12. अशोक पूर्वोत्तर राज्य के एक सीमावर्ती जिले के मंडल आयुक्त हैं । कुछ वर्ष पहले, सेना ने निर्वाचित नागरिक सरकार को उखाड़ फेंकने के वाद पड़ोसी देश पर कब्जा कर लिया था । देश में विशेष रूप से पिछले दो वर्षों से गृहयुद्ध की स्थिति वनी हुई है । हालाँकि, विद्रोही समूहों द्वारा अपनी सीमा के पास कुछ आबादी वाले क्षेत्रों पर नियंत्रण करने के कारण आंतरिक स्थिति और बिगड़ गई । सैन्य और विद्रोही समूहों के बीच तीव्र संघर्ष के कारण हाल के दिनों में नागरिक हताहतों की संख्या में कई गुना वृद्धि हुई है । इसी बीच अशोक को एक रात में सीमा चौकी पर तैनात पुलिस से सूचना मिली कि लगभग 200-250 लोग, जिनमें मुख्य रूप से महिलाएँ और बच्चे हैं, सीमा पार करके हमारी सीमा की ओर आने की कोशिश कर रहे थे । इस समूह में सैन्य वर्दीधारी हथियारों के साथ लगभग 10 सैनिक शामिल हैं जो सीमा पार करना चाहते हैं । महिलाएँ और बच्चे रो रहे हैं और मदद की भीख मांग रहे हैं । उनमें कुछ घायल हैं और बहुत ज्यादा खून बह रहा है, उन्हें तुरंत चिकित्सा की जरूरत है । अशोक ने राज्य के गृह सचिव से संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन खराब मौसम के कारण खराब कनेक्टिविटी के कारण ऐसा करने में असफल रहे ।

(a) इस स्थिति से निपटने के लिए अशोक के पास क्या विकल्प उपलब्ध हैं ?

(b) अशोक को किन नैतिक और कानूनी दुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है ?

(c) आपके विचार से अशोक के लिए कौन सा विकल्प अपनाना अधिक उपयुक्त होगा और क्यों ?

(d) वर्तमान स्थिति में वर्दीधारी सैनिकों के साथ व्यवहार करते समय सीमा सुरक्षा पुलिस द्वारा क्या अतिरिक्त एहतियाती उपाय किए जाने चाहिए ?

(उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

Ashok is Divisional Commissioner of one of the border districts of the North East State. A few years back, Military has taken over the neighbouring country after overthrowing the elected civil government. Civil war situation is prevailing in the country especially in last two years. However, internal situation further deteriorated due to rebel groups taking over control of certain populated areas near own border. Due to intense fight between military and rebel groups, civilian casualties has increased manifold in recent past. In the meantime, in one night Ashok got information from the local police guarding the border check post that there are about 200-250 people mainly women and children trying to cross over to our side of the border. There are also about 10 soldiers with their weapons in military uniform part of this group who wants to cross over. Women and Children are also crying and begging for help. A few of them are injured and bleeding profusely need immediate medical care. Ashok tried to contact Home Secretary of the State but failed to do so due to poor connectivity mainly due to inclement weather.

(a) What are the options available with Ashok to cope with the situation ?

(b) What are the ethical and legal dilemmas being faced by Ashok ?

(c) Which of the options, do you think would be more appropriate for Ashok to adopt and why ?

(d) In the present situation, what are the extra precautionary measures to be taken by the Border Guarding Police in dealing with soldiers in uniform ?

(Answer in 250 words) 20